THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

डायरी का एक पन्ना- सीताराम सेकसरिया

निर्देश –

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न **1** से **3** एक अंक के है।
3. प्रश्न **4** से **8** दो अंक के है।
4. प्रश्न **9** से **10** पांच अंक के है।

---

1. पाठ और लेखक का नाम बताइए ।
2. कलकत्तावासियों के लिए २६ जनवरी १९३१ का दिन क्यों महत्वपूर्ण था?
3. लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहराकर किस बात का संकेत देना चाहते थे?
4. 'आज जो बात थी वह निराली थी'– किस बात से पता चल रहा था कि आज का दिन अपने आप में निराला है? स्पष्ट कीजिए।
5. डॉ दासगुप्ता जुलूस में घायल लोगों की देखभाल तो कर ही रहे थे, उनकी फोटो भी उतरवा रहे थे। फोटो उतरवाने की क्या वजह हो सकती है?
6. ऐसी कौन –सी बात थी, जिससे कलकत्ता के बारे में लग रहा था कि देश स्वतंत्र हो चुका है ?
7. जब लेखक ने मोटर में बैठकर सब तरफ़ घूमकर देखा,तो उस समय का दृश्य कैसा था?
8. लेखक को खादी भंडार आकर क्या पता चला?
9. "जब से कानून भंग का काम शुरु हुआ है तब से आज तक इतनी बड़ी सभा ऐसे मैदान में नहीं की गई थी और यह सभा तो कहना चाहिए एक ओपन लड़ाई थी"। यहाँ पर कौन- से और किस कानून के भंग करने की बात कही गई है? क्या कानून भंग करना उचित था? पाठ के संदर्भ में अपने विचार प्रकट कीजिए।
10. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए –

    आज जो कुछ हुआ वह अपूर्व हुआ है। बंगाल के नाम या कलकत्ता के नाम पर कलंक था कि यहाँ काम नहीं हो रहा है वह आज बहुत अंश में धुल गया।